FOR MLIS STUDENTS

Course : - Masters of Library and Information Science (MLIS)

Paper : - Paper-I

Prepared By: - Aftab Ahmad, Assistant Librarian, Faculty Library Science
School of Library and Information Sciences, Nalanda Open University

Topic: - Knowledge Management

Vs.Information Management

Scanned with CamScanner

इकाई-19

ज्ञान-प्रबन्ध बनाब सूचना प्रबन्धन
(Knowledge Management Vs. Information Management)

पाठ-संरचना (Lesson Structure)

19.0 उद्देश्य (Objectives)

19.1 परिचय (Introduction)

19.2 सूचना प्रबंधन (Information Management)

19.3 ज्ञान प्रबंधन (Knowledge Management)

19.4 सूचना प्रबंधन एवं ज्ञान प्रबंधन में भिन्नता (Difference between Information Management and Knowledge Management)

19.5 सारांश (Summary)

19.6 मॉडल प्रश्न (Model Questions)

19.7 प्रस्तावित पाठ (Suggested Reading)

19.0 उद्देश्य (Objective)

प्रस्तुत पाठ में हम पुस्तकालय संस्था के विकास क्रम में आने वाले विभिन्न पड़ावों को समझते हुये ज्ञान प्रबंधन एवं सूचना प्रबंधन की अवधारणाओं को समझने का प्रयास करेंगे। तत्पश्चात ज्ञान प्रबंधन एवं सूचना प्रबंधन के बीच की विभिन्न महत्वपूर्ण भिन्नताओं को चिन्हित करते हुये उन पर विवरण प्रस्तुत करेंगे।

19.1 परिचय (Introduction)

सूचना एवं ज्ञान के प्रयोग हेतु स्थापित किये जाने वाले पुस्तकालयों का स्वरूप विभिन्न काल खण्डों में बड़ी तीव्र गति से परिवर्तित हुआ है। प्रारम्भ में जहां पुस्तकालय केवल पुस्तकों अथवा सूचना स्रोतों को संग्रह करने हेतु एक संग्रह केन्द्र के रूप में अस्तित्व में आये, वहीं समय के बदलाव के साथ-साथ ये संग्रह केन्द्र सूचना स्रोतों को उपलब्ध कराने की एक उपयोगी एवं सहयोगी संस्था के रूप

Scanned with CamScanner

में पहचाने जाने लगे। बाद में इन पुस्तकालय संस्थाओं के द्वारा उपयोगकर्ताओं को सहायोगी सुविधायें प्रदान करने हेतु कुछ सामान्य पुस्तकालय गतिविधियें (Housekeeping Activities) जैसे सूचीकरण, वर्गीकरण, अवाप्ती एवं परिसंचरण आदि सम्पादित की जाने लगीं, जिनके द्वारा ये पुस्तकालय अपने पूर्ण क्रियात्मक स्वरूप में अस्तित्व में आये।

समय के बदलाव के साथ–साथ समाज में शोध के बढ़ते महत्व के कारण शोधार्थियों द्वारा पुस्तकालयों से विभिन्न प्रकार की सूचना सेवाओं की अपेक्षा की जाने लगी। पुस्तकालय में इन अतिरिक्त सूचना सेवाओं के कारण एक पुस्तकालय अपने मूल स्वरूप के साथ एक सूचना केन्द्र के रूप में परिवर्तित हो गया और यह पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र के नाम से पहचाना जाने लगा। तत्पश्चात समाज के हित में शोध गतिविधियों का सम्पादन समाज के विकास कार्यों हेतु अधिक होने के कारण इन सूचना केन्द्रों से सामान्य सूचनाओं एवं सूचना सेवाओं के स्थान पर ज्ञान एवं ज्ञान आधारित सेवाओं की अपेक्षा की जाने लगी। जिसके कारण इनका स्वरूप पुनः परिवर्तित होकर ज्ञान केन्द्र के स्वरूप में प्रकाश में आया। समय, शोध एवं विकास के इसी तरह के बदलाव ने पुस्तकालय गतिविधियों को सूचना प्रबंधन एवं तत्पश्चात ज्ञान प्रबंधन गतिविधियों में परिवर्तित कर दिया।

19.2 सूचना प्रबंधन (Knowledge Management)

सूचना प्रबंधन के अभाव में इसका उपयोग पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों में संभव नहीं है ।

19.3 ज्ञान प्रबंधन (Knowledge Management)

डाटा को प्रक्रियाबद्ध करने पर सूचना की प्राप्ति होती है । सूचना से ज्ञान की प्राप्ति होती है । ज्ञान का प्रबंधन उपभोक्ता के लिए आवश्यक है अन्यथा वह उससे वंचित रह जायेगा ।

19.4 सूचना प्रबंधन एवं ज्ञान प्रबंधन में भिन्नता (Difference between Information Management and Knowledge Management)

विद्वानों के बीच यह एक सामान्य भ्रांति है कि ज्ञान प्रबंधन का विचार पहले से ही अस्तित्व में रहा है, पूर्व में यह भिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से इसे अलग स्वरूप में सम्पादित किया जाता था एवं इसी को वर्तमान में नये नाम के साथ नये स्वरूप में प्रस्तुत कर दिया गया है। इस तरह से विद्वानों के अनुसार प्रलेखन या सूचना विज्ञान के अन्तर्गत सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यों को ही कुछ परिवर्तनों एवं नवीन उत्कष्टताओं को ही ज्ञान प्रबंधन के एक नये नाम से पहचान दी गयी है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुये यह अत्यधिक आवश्यक हो जाता है कि परम्परागत सूचना प्रबंधन का ज्ञान–प्रबंधन के साथ तुलनात्मक अध्ययन किया जाए।

ज्ञान प्रबन्धन का सम्बन्ध ज्ञान के उत्पत्ति से लेकर उसके वितरण तक पाठक को आवश्यकताओं के अनुसार उपलब्ध कराने से है। परम्परागत सूचना प्रबन्धन एवं ज्ञान प्रबन्धन में प्रमुख अन्तर निम्नलिखित आधारों पर किया जा सकता है–

Scanned with CamScanner

1. सूचना प्रबंधन का सम्बन्ध सुस्पष्ट ज्ञान से है अर्थात् वह सूचना अथवा ज्ञान जो लिखित रुप से अस्तित्व में पाया जाता है। जबकि ज्ञान प्रबंधन का सम्बन्ध गर्भित (Tacit) तथा सुस्पष्ट ज्ञान दोनों से है अर्थात् यह लिखित ज्ञान के साथ–साथ अलिखित अथवा गर्भित ज्ञान का भी रखरखाव करता है।

2. सूचना प्रबंधन मुख्यतः ज्ञान के वर्गीकरण, संहिताकरण एवं वितरण से जुडा हुआ है, जबकि ज्ञान प्रबंधन सामान्यतः ज्ञान की पहचान, उसके निर्माण एवं वितरण से संबन्धित है। दूसरे शब्दों में ज्ञान प्रबंधन का सम्बन्ध एक सम्भावित पाठक को ज्ञान प्रदान करने से है। इस कार्य के सम्पादन हेतु उस पाठक को किस प्रकार की सूचना की आवश्यकता है, इसकी पहचान की जाती है एवं आवश्यकता के चिन्हित आधारों पर ही उसके इच्छित ज्ञान का निर्माण किया जाता है। तत्पश्चात उस निर्मित या अर्जित ज्ञान को वितरित कर दिया जाता है।

3. सूचना प्रबंधन के उद्देश्य से प्रयुक्त किये जाने वाले सामान्य उपकरण अनुसूची, अनुक्रमणिका, डाटाबेस एवं कम्प्यूटर आदि हैं। वहीं ज्ञान प्रबंधन से सम्बन्धित कार्यों को सम्पादित करने के लिये आवश्यक कौशल एवं कार्यविधि ज्ञान की आवश्यकता होती है।

4. सूचना प्रबंधन सामान्यतः सामाग्री आधारित होता है, जबकि ज्ञान प्रबंधन व्यक्ति आधारित है।

5. सूचना प्रबंधन सूचना के संग्रह से सम्बन्धित है तथा यह संग्रह से सूचना खोज के कार्य को महत्व देता है। वहीं ज्ञान प्रबंधन की प्रक्रिया में ज्ञान आधारित सहयोग एवं हिस्सेदारी का कार्य सम्पादित किया जाता है।

6. सूचना प्रबंधन कार्य क्षमता की वृद्धि के लिए श्रेष्ठ उत्पाद उपलब्ध कराता है तथा इनके माध्यम से अच्छे उत्पादन के लिए प्रेरित करता है। जबकि ज्ञान प्रबंधन मुख्यतः उत्पादन की नवीनता या नवोत्थान (Innovation) पर बल देता है तथा विचारों एवं प्रयासों को कैसे तकनीकी आधारित बनाये जाये यह स्पष्ट करता है।

7. सूचना प्रबंधन संरचनात्मक अथवा औपचारिक सूचना अथवा ज्ञान पर बल देता है। जबकि ज्ञान प्रबंधन में ज्ञान/सूचना का कोई निश्चित स्वरूप या संरचना नहीं होती है। यह मुख्यतः अनौपचारिक ज्ञान अथवा सूचना पर आधारित होता है।

8. सूचना प्रबंधन किसी भी संगठन की बाह्य सूचना से सम्बन्धित होता है, यह उसकी संरचना से नहीं जुडा होता। जबकि ज्ञान प्रबंधन किसी संगठन की आन्तरिक सूचना/ज्ञान से सम्बन्धित प्रयास होता है।

उपर्युक्त अध्ययन के आधार पर यह पूर्णतः स्पष्ट हो जाता है कि सूचना प्रबंधन एवं ज्ञान प्रबंधन एक समान न होकर एक दूसरे से पूर्णतः अलग–अलग विचार हैं। दोनों के परस्पर भिन्न होने के बावजूद इन दोनों का ही सम्बन्ध ज्ञान के प्रबंधन से है।

Scanned with CamScanner

19.5 सारांश (Summary)

इस पाठ में हमने पुस्तकालय संस्था के विकास क्रम को समझने का प्रयास किया। तत्पश्चात हमने ज्ञान प्रबंधन एवं सूचना प्रबंधन के बीच के विभिन्न महत्वपूर्ण अन्तरों पर विवरण प्रस्तुत किया।

Scanned with CamScanner